

दर्शन बिन अंखियां

दरशन बिन अंखियां तरस गई,
मईया आज ए अंखियां बरस गई,

मैं जनम जनम का प्यासा हूँ,
दुखिया इस जग से निराशा हूँ,
मन में श्रद्धा विश्वास लिए,
नित तेरे दर पर आता हूँ,
बस तेरा सहारा आस तेरी,
मां मेरी अंखियां छलक गईं,
दरशन बिन अंखियां तरस गईं,

तू सारे जग की माता है,
तेरे जैसा कोई दानी नहीं,
सबके दुख तुम हरती हो मां,
आशाएं पूरी करती हो,
अब मेरी अरज भी सुन लो मां,
तेरे दर पर अंखियां बरस गईं,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13986/title/darshan-bin-ankhiyan>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |